भजन

राज रस बरस रहयो,आज मोरे आंगन में
प्रेम रस छलक रहयो, आज मोरे आंगन में

1–परदे हटे माया के मन से,रूहें मिलीं अपने प्रीतम से
अंग अंग हर्ष रहयो,आज मोरे...

2–सतगुरू बन मेरे प्रीतम आए,कहाँ बिठाऊँ मेरे साहेब आए
अर्श कर बैठ गयो,आज मोरे....

3–धरती नाचे अम्बर नाचे,मैं नाचूं मेरा प्रीतम नाचे
अंग अंग नाच रहयो,आज मोरे....